तापमान
अधिकतम 31.5 डिग्री
न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि
बेमेतरा भूमि
रायपुर, गुरुवार 21 मई 2026

13 साजा में सुशासन तिहार शिविर आयोजित, 300 से ...

14 समय-सीमा बैठक में कलेक्टर सख्त...

खबर संक्षेप

पंचायत कटई व नगर पंचायत थान खम्हरिया में समाधान शिविर आज

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत कटई व नगर पंचायत थान खम्हरिया कार्यालय भवन में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा।शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

विरोध में नगर भर की मेडिकल दुकानें रहीं बंद

नवागढ़। राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद का असर बुधवार को नवागढ़ नगर में भी पूरी तरह दिखाई दिया। सुबह से ही नगर की अधिकांश मेडिकल दुकानें बंद रहीं और दवा व्यापारियों ने एकजुट होकर ऑनलाइन फार्मेसी के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। बंद के दौरान बाजार में सामान्य दिनों की तुलना में काफी सन्नाटा नजर आया। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर आयोजित इस बंद को नवागढ़ के दवा व्यापारियों ने पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री से छोटे व्यापारियों का भविष्य संकट में पड़ रहा है। साथ ही बिना चिकित्सकीय निगरानी के दवाइयों की ऑनलाइन उपलब्धता आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन सकती है। व्यापारियों ने कहा कि मेडिकल व्यवसाय केवल व्यापार नहीं बल्कि लोगों की जिंदगी और स्वास्थ्य से जुड़ी जिम्मेदारी भी है। ऐसे में नियमों को दरकिनार कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दवाइयों की बिक्री गंभीर चिंता का विषय है। बंद को सफल बनाने में नगर के राजेश मिश्रा, नागेंद्र पासवान, संजय साहू, धनंजय साहू, गोपेश साहू, शिव कुमार सिनाकर, संतोष कुमार सिन्हा, योगेश कुमार साहू, मिथलेश (मिंटू) बिसेन, मुकेश बिसेन, सवर्ण सिंह खुराना, धनसिंह यादव, हरीश साहू एवं जित्तू सोनकर सहित अन्य दवा व्यापारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। दिनभर बंद का असर बाजार में साफ दिखाई दिया, हालांकि आपातकालीन जरूरतों के लिए कुछ चुनिंदा मेडिकल स्टोर खुले रहे।

पुलिस को मिले 11 हाईटेक डायल-112 ईआरवी वाहन, हरी झंडी दिखाकर किए रवाना

एक्के नम्बर सब्बो बर डायल-112 अभियान के तहत जिलेभर में 24 घंटे ऑन रोड रहेंगी अत्याधुनिक पुलिस गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में कानून व्यवस्था और आपातकालीन सहायता व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बेमेतरा पुलिस को 11 नए हाईटेक डायल-112 ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल) वाहन प्राप्त हुए हैं।

शासन की महत्वाकांक्षी डायल-112 योजना के अंतर्गत मिले इन अत्याधुनिक वाहनों के माध्यम से अब जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस सहायता पहले की अपेक्षा अधिक तेज, प्रभावी और त्वरित रूप से उपलब्ध हो सकेगी। बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू, ईश्वर साहू, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, जनपद पंचायत अध्यक्ष जया दिवाकर तथा भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर नवीन डायल-112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग द्वारा नवीन डायल-112 वाहनों का प्रदर्शन भी किया गया तथा इनकी तकनीकी विशेषताओं और त्वरित रिस्पांस प्रणाली की विस्तृत जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इन वाहनों में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम, वायरलेस संचार प्रणाली, डिजिटल नेविगेशन और ▶▶| शेष पेज 13 पर

रिस्पांस पहले से तेज

कार्यक्रम का संचालन महिला प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे ने किया, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी मयंक मिश्रा, डायल-112 प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विष्णु सप्रे, सउनि माधव सिंह साहू सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण एवं मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मांग

ऑनलाइन परामर्श और दवा बिक्री पर केमिस्टो ने उठाया सवाल

जिले में आनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बंद रहे मेडिकल स्टोर

हरिभूमि न्यूज. बेमेतरा/थान खम्हरिया

आल इंडिया आर्ग नाईजेशन आफ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट के राष्ट्र व्यापी आव्हान पर छ ग केमिस्ट एण्ड डिस्टीब्युटर एसोसिएशन द्वारा ऑनलाइन फार्मेसी और दवा बिक्री से जुड़े नियमों के विरोध मे अपनी मेडिकल स्टोर्स बंद रखे।

तीन सूत्रीय मांगो को लेकर एक द्विवसीय हङताल से दवा व्यवसाय प्रभावित रहा है हालांकि निजी डाक्टरो ने स्थिति को संभलते हुए मरीजो को सैम्पल की रखी दवाईयो का उपयोग मरीजो के लिए किया जबकी शासकीय अस्पताल व जन औषधी केन्द्र के खुले रहने से मरीजो को एक दिन के लिए राहत मिली है।इनकी प्रमुख मांगो मे आनलाईन दवा की बिक्री बंद हो,कार्पोरिट द्वारा भारी डिस्काऊंट बंद किया जावे तथा नकली दवाओ से देश को बचाया जाय जैसे मांग प्रमुख है। प्रदेशभर के दवा व्यापारी इस एक दिवसीय बंद का समर्थन किया है,दवा व्यापारी का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री के बढ़ते चलन और नियमों की कमजोर निगरानी से मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। उनका आरोप है कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना उचित सत्यापन के दवाइयां बेच रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है।दवा व्यापारियों ने दावा किया कि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर फर्जी मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन तैयार किए जा रहे हैं। इन पर्चियों के जरिए बिना डॉक्टर की वास्तविक सलाह के दवाइयां खरीदी जा रही हैं।

व्यापारियों के मुताबिक कई मामलों में यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि दवा किस डॉक्टर ने लिखी है और उसका वास्तविक प्रिस्क्राइबर कौन है। दवा व्यापारियों ने फर्जी और गैर-प्रमाणित ऑनलाइन मेडिकल परामर्श सेवाओं पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ऐसे प्लेटफॉर्म मरीजों को गुमराह कर रहे हैं और गलत दवाइयों के इस्तेमाल का खतरा बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही एंटीबायोटिक्स, साइकोट्रॉपिक दवाइयां, ओपिऑइड्स दवाइयां बिना उचित जांच-परख के बेची जा रही हैं।

युवाओं में नशे की आदत बढने की खतरा मंडराया

व्यापारियों ने चिंता जताई कि नशे की लत पैदा करने वाली दवाइयों की ऑनलाइन आसान उपलब्धता युवाओं में दुरुपयोग और लत का बड़ा कारण बन सकती है। उनका कहना है कि एक ही प्रिसक्रिप्शन का बार-बार उपयोग कर कई बार दवाइयां खरीदी जा रही हैं।कई प्रति बंधित दविईयो की बिक्री आनलाईन पद्धति से बेधङक की जा रही है जिससे खतरा बढ गया है।आरोप है कि नाईट्रो-10 जैसे प्रतिबंधित नशीली दवा आज आनलाईन मंगाई जा रही है। जिससे युवाओ मे नशा की दवाई खरीदना आसान हो गया है और समाज को दूषित भी कर रहा है।

तेज हवा में गिरा नीलगिरी का पेड़, शॉर्ट सर्किट से भड़की आग से जला पैरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, कच्चे मकान बाल-बाल बचे

जिले के पुलिस चौकी देवरबीजा अंतर्गत ग्राम केशडबरी में मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तेज हवा के चलते स्टेट हाईवे किनारे खड़ा एक विशाल नीलगिरी का पेड़ अचानक विद्युत तारों पर गिर पड़ा। पेड़ गिरते ही बिजली तारों में तेज शॉर्ट सर्किट हुआ और उससे निकली चिंगारियों ने पास में रखे फसल अवशेष (पैरावट) में आग लगा दी।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा पैरावट जलकर खाक हो गया। घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज हवा के कारण पेड़ अचानक धराशायी होकर सीधे बिजली तारों पर गिरा, जिससे जोरदार आवाज के साथ तारों में स्पार्किंग शुरू हो गई। आग की चिंगारियां नीचे रखे सूखे पैरावट पर गिरते ही उसमें आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के मुताबिक आग के पास ही कई कच्चे मकान स्थित थे, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आस पास की पूरी बस्ती इसकी चपेट में आ सकती थी। हालांकि ▶▶| शेष पेज 13 पर

पुलिस कॉलोनी की कच्ची सड़क को मिली दलदल से मुक्ति

900 मीटर लंबी सीमेंटेड सड़क बनकर तैयार

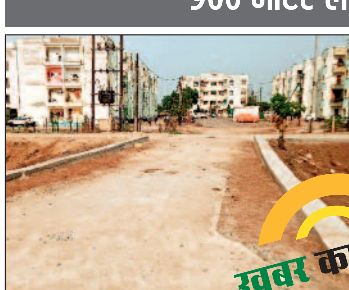

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- खबर प्रकाशित होने के बाद शुरू हुआ निर्माण कार्य

स्थानीय पुलिस प्रशासन और पुलिस परिवारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। कवर्धा मार्ग स्थित रक्षित आरक्षी केंद्र (पुलिस लाइन) के बाजू में स्थित पुलिस कॉलोनी को वर्षों पुराने कीचड़युक्त और धूलभरे रास्तों से आखिरकार मुक्ति मिल गई है। लंबे समय से उपेक्षित इस समस्या को लेकर लगातार आवाज उठाए जाने के बाद अब यहां करीब 900 मीटर लंबी सीमेंटीकृत पक्की सड़क का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है, जिससे कॉलोनीवासियों में खुशी का माहौल है। बता दे कि विगत एक वर्ष के दौरान हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा पुलिस कॉलोनी की बदहाल सड़क समस्या को दो बार प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबर प्रकाशित होने के बाद विभागीय अधिकारियों और प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पहल की। इसके बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया, जो अब पूरी गुणवत्ता और सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण हो चुका है। नई सड़क की विशेषता यह है कि आवागमन को सुगम बनाने के लिए इसे वन-वे व्यवस्था की तर्ज पर विकसित किया गया है। सड़क के एक हिस्से से वाहनों के प्रवेश और दूसरे हिस्से से निकासी की व्यवस्था बनाई गई है, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर हुई है और कॉलोनी में ▶▶| शेष पेज 13 पर

परिवारों ने जताया आभार

मजबूरी में पुलिस परिवार स्वयं श्रमदान कर और मुरम डलवाकर अस्थायी रास्ता तैयार करते थे, लेकिन बारिश आते ही स्थिति फिर जस की तस हो जाती थी। अब सड़क निर्माण पूरा होने के बाद कॉलोनी का पूरा स्वरूप बदल गया है। रहवासियों का कहना है कि वर्षों बाद उन्हें मूलभूत सुविधा का लाभ मिल पाया है। पुलिस परिवारों ने इस कार्य के लिए प्रशासन, संबंधित विभाग और समस्या को लगातार उठाने वाले हरिभूमि समाचार पत्र के प्रति आभार व्यक्त किया है।

चादर बेचने वाले चोरों से 60 लाख का सोना जब्त

भिलाई। अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश पुलिस ने किया है। खुलासा करते हुए एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि शालीमार गार्डन मेरठ निवासी हासीम खान और शिवालकास, मेरठ सलीम को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी शहर में चादर बेचने के बहाने कॉलोनियों में घूमते, सुनसान मकानों की रेकी करते और कुछ ही मिनटों में चोरी कर फरार हो जाते थे। घटना सुपेला थाना क्षेत्र का है। आरोपी सलीम ज्वेलर्स का संचालन करता था और चोरी का सोना खरीदता था। चोरी का सोना गलाकर बिस्कीट बना देता था। आरोपियों को पकड़ने अलग-अलग क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। नेहरू नगर, कोसा नाला, पावर हाउस, चरोदा, कुम्हारी टोल प्लाजा से लेकर रायपुर के जय स्तंभ चौक, मौदहापारा तक संदिग्धो की गतिविधियों को ट्रैक किया गया।

खबर संक्षेप

उर्सपाक के दौरान नो एंट्री में घुसा ट्रक, नशेड़ी ट्रक चालक पर कार्रवाई

भिलाई। उर्सपाक कार्यक्रम के दौरान पटेल चौक एवं दुर्ग शहर क्षेत्र में भीड़भाड़ की स्थिति थी। तभी ट्रक सीजी 08 डब्लू 9777 के चालक खुज्जी राजनांदगांव निवासी दिनेश कुमार ट्रक को लापरवाही एवं खतरनाक तरीके से चलाते हुए नो एंट्री में प्रवेश किया, जो मालवीय नगर, राजेंद्र पार्क चौक, बस स्टैंड होते हुए उतई तिराहा तक लेकर गया। ड्यूटी में तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों द्वारा वाहनों को रोकने का प्रयास किया गया। चालक वाहन नहीं रोक रहा था। ट्रैफिक पुलिस टीम द्वारा पीछा कर वाहन को सुरक्षित रुकवाया गया। चालक का ब्रेथ एनालाइजर मशीन से परीक्षण करने पर उसके द्वारा शराब सेवन पाया गया। उक्त चालक के खिलाफ मोटरयान अधिनियम की धारा 185,अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कार्रवाई किया गया। 18 मई को सीजेएम न्यायालय दुर्ग द्वारा चालक पर 22 हजार रुपए का जुर्माना किया है। दो दिन पूर्व भी नशे की हालत में भारी वाहन चलाते पाए गए चालक पर न्यायालय ने 32 हजार रुपए का चालान किया।

हमर क्लीनिक में समस्याओं का होगा निराकरण

दुर्ग। आईएचएसडीपी आवास उरला में प्रति बुधवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक हमर क्लीनिक के अंतर्गत हेल्थ चेकअप किया जा रहा है। इस दौरान अब दुर्ग निगम की जुड़ी शिकायतें भी की जा सकेंगी। हंसराज नवयुवक मंडल के कार्यकर्ताओं ने इस विषय को लेकर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल से मुलाकात की। इसके बाद आयुक्त के निर्देश पर यह व्यवस्था की गई है। समाजसेवी जयवर्धन ने बताया कि आईएचएसडीपी कालोनी उरला वार्ड 58 के हमर क्लीनिक में संचालित निगम के अस्थाई जोन कार्यालय में राशनकार्ड, पेंशन व टैक्स से संबंधित सभी प्रकार के कार्य किए जाएंगे। बुधवार 20 मई को भी शिविर लगाया जाएगा, जिसमे क्षेत्र में नियुक्त राजस्व अधिकारी शिवा परिहार व लक्ष्मी शर्मा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करेंगे। संपूर्ण पटरीपार के नागरिकों की आवश्यकता, समस्याओं के निराकरण व सुविधाओं में बढ़ोतरी के उद्देश्य से आईएचएसडीपी कालोनी उरला व दुर्ग में समाजसेवी संगठन हंसराज नवयुवक मंडल द्वारा जनहित व बेहतर वातावरण निर्माण हेतु विभिन्न विषयों में निरंतर हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

मकान में चोरी, जेवरात व नगदी समेत सामान बरामद

भिलाई। मकान का ताला तोड़कर जेवरात, नगदी पार करने वाले को पुलिस ने पकड़ा है। स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि सड़क नंबर 03, स्मृतिनगर में चोरी की शिकायत हुई थी। पुलिस ने टीम बनाकर विवेचना कर संदेही स्मृति नगर निवासी मनोज सबरी को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किया। चोर से एक सोने का लॉकेट, नगदी रकम, 70 विदेशी मुद्रा जब्त किया है।

केंद्रीय कार्यालय की चाबी सौंपने गोंड़ महासभा ने निकाली रैली, विरोध में जलाया पुतला

केंद्रीय गोंड़ महासभा धमधागढ़ के कचना धुरवा देवालय के आधिपत्य को लेकर गतिरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

केंद्रीय गोड महासभा धमधागढ़ के कार्यालय को लेकर समाज के दो गुटों के बीच छिड़ा विवाद अब सड़क पर आ गया है। कचना धुरवा देवालय सिविल लाइन स्थित केंद्रीय कार्यालय को दूसरे गुट को सौंपे जाने के विरोध में समाज के एमडी ठाकुर गुट ने मंगलवार को पटेल चौक में जोरदार प्रदर्शन कर अपनी मांगो पर आवाज बुलंद की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व एमडी ठाकुर ने किया। उन्होंने जिला प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा समाज के मान्य निर्णयों की अनदेखी कर कार्यालय की चाबी दूसरे पक्ष को सौंप दी गई है। इसे लेकर केन्द्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ के सदस्यों में भारी नाराजगी है। विरोध स्वरुप समाज के लोग बड़ी संख्या में रैली की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से एमडी ठाकुर ने बताया कि 4 मई 2026 को रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी सहकारी संस्थाओं द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया था। वहीं 17 अप्रैल 2026 को सचिव वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के आदेश को यथावत रखा गया। जिससे केंद्रीय गोंड महासभा धमधागढ़ के 17/02/2026 को हुए चुनाव को विधिवत मान्यता प्रदान कर एमडी ठाकुर को अध्यक्ष घोषित किया गया था।

पूर्व में भी किया गया था प्रदर्शन

बता दें कि इससे पूर्व कमलेश ध्रुव के नेतृत्व में भी कचना देवालय स्थित कार्यालय को अपने कब्जे में लेने के लिए करीब तीन घंटे तक प्रदर्शन किया गया था, जिसके बाद जिला प्रशासन ने कार्यालय का चाबी उन्हें सौंप दी थी। इसी निर्णय के विरोध में मंगलवार को एमडी ठाकुर गुट के लोग सड़क पर उतरे और केंद्रीय कार्यालय पर अपना कब्जा होने का दावा किया। एमडी ठाकुर गुट के प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि संमाज के अधिकृत पदाधिकारियों को कार्यालय संचालन से रोका गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। दिनभर चले प्रदर्शन के दौरान समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे और मांगे पूर्ण करने जोरदार आवाज उठाई गई।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान दिए निर्देश

जनगणना के दौरान प्रगणक न करें लिमिट क्रॉस अनावश्यक पूछताछ से बचें, नहीं तो होगी कार्रवाई

गलत जानकारी देने या नंबर मिटाने पर लगेगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग की अधिसूचना के परिपालन में जिला प्रशासन ने आगामी जनगणना के सुचारू संचालन के लिए प्रगणकों और नागरिकों के लिए अनिवार्य गाइडलाइंस जारी की हैं। जिसके अनुसार सभी नागरिक प्रगणक द्वारा पूछे गए वैधानिक प्रश्नों का सही उत्तर देने के लिए बाध्य हैं। हालांकि, स्थानीय सामाजिक परंपराओं का सम्मान करते हुए किसी भी महिला को उसके पति/मृत पति का नाम या किसी भी नागरिक को अपने परिवार के सदस्यों का नाम बताने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। नागरिकों को अपने घरों में प्रगणकों को युक्तियुक्त प्रवेश देने और मकानों पर जनगणना के लिए आवश्यक नंबर या चिन्ह लगाने की अनुमति देनी होगी। प्रगणकों को भी नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करने और घरेलू रूढ़ियों का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए है। प्रगणकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे वैधानिक सीमा में रहकर केवल केंद्र सरकार द्वारा राजपत्र में निर्दिष्ट और निर्धारित प्रश्नों को ही पूछें तथा नागरिकों से अनावश्यक या अतिरिक्त पूछताछ न करें। साथ ही, अपने कर्तव्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या इंकार करने पर प्रगणकों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

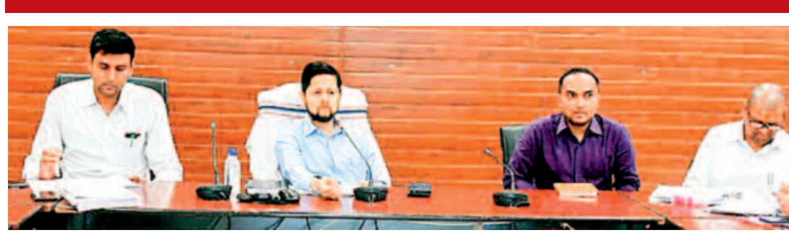

मत्स्य विभाग की उड़नदस्ता टीम करेगी कार्रवाई

इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह से नकेल कसने के लिए मछली पालन विभाग द्वारा एक विशेष उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है, जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार औचक निरीक्षण करेगा। यदि जिले के किसी भी निजी या शासकीय तालाब, बाजार अथवा परिवहन वाहन में प्रतिबंधित थाई मांगुर या बिग हेड मछली पाई जाती है, तो मत्स्य विभाग द्वारा उस पूरे स्टॉक को तत्काल जब्त कर नियमानुसार नष्ट कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले मत्स्य पालकों, व्यवसायियों और बिचौलियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ मत्स्य पालन अधिनियम के कड़े दंडात्मक प्रावधानों के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। इसके अंतर्गत दोषी पाए जाने पर न्यूनतम 1 वर्ष का कठोर कारावास अथवा 10 हजार रुपये के नगद आर्थिक जुर्माने का प्रावधान है।

गलत जानकारी देने वालों पर लगेगा जुर्माना

बैठक में जानकारी दी गई कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देता है, उत्तर देने से इनकार करता है, या मकानों पर लिखे गए नंबरों को मिटाता/नुकसान पहुंचाता है, तो उस पर 1 हजार तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जनगणना कार्य में बाधा डालने या कार्यालय में अनाधिकृत प्रवेश करने पर 1 हजार जुर्माने के साथ अधिकतम 3 वर्ष तक की जेल का भी प्रावधान है। जनता के भ्रम को दूर करते हुए स्पष्ट किया गया है कि जनगणना में प्राप्त किये गए आंकड़े पूरी तरह गोपनीय रहेंगे। इन्हें किसी भी दीवानी या आपराधिक मामले में कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता। जनगणना के आंकड़ों का प्राथमिक उपयोग केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में सटीक नीति निर्धारण, लोक प्रशासन और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन व आरक्षण के लिए किया जाता है।

थाई मांगुर और बिग हेड मछलियों के पालन पर रोक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के मछली पालन विभाग के दिशा-निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले के भीतर विदेशी थाई मांगुर (क्लेरियस गैरीपिनस) और बिग हेड (हाइपोफ्थेलमिचिथिस नोबिलिस) प्रजाति की मछलियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अब जिले में इन प्रतिबंधित मछलियों के बीज उत्पादन, पालन, संवर्धन, क्रय-विक्रय तथा परिवहन जैसी गतिविधियों को पूरी तरह से रोक दिया गया है, और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मत्स्य पालन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये विदेशी मांसाहारी प्रजातियां स्थानीय जलीय पर्यावरण और पारंपरिक मत्स्य पालन के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी हैं। ये आक्रामक मछलियां हमारे स्थानीय तालाबों और नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती हैं और स्वदेशी मछलियों को खा जाती हैं, जिससे स्थानीय जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही, दूषित जल और हानिकारक अपशिष्टों को खाकर तेजी से बढ़ने वाली इन मछलियों के सेवन से मानव स्वास्थ्य पर बेहद बुरा असर पड़ता है और नागरिकों में कैंसर व त्वचा रोग जैसी घातक बीमारियों की आशंका बनी रहती है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उद्योगपति परिवार को जारी किया गया नोटिस

दहेज प्रताड़ना से जुड़ा है मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

सुपेला पुलिस थाना में दर्ज दहेज प्रताड़ना एवं घरेलू हिंसा से जुड़े चर्चित प्रकरण में अब मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। पीड़िता द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने उद्योगपति परिवार एवं अन्य आरोपियों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह के भीतर निर्धारित की गई है। पीड़िता के अधिवक्ता नीरज चौबे ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर सुपेला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498-ए, 377, 323 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 एवं 4 के तहत अपराध दर्ज किया था। मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट दुर्ग में हुई, जहां निर्णय में पति निमिष अग्रवाल को धारा 377 के तहत दोषी ठहराते हुए 9 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपए अर्थदण्ड से दंडित किया गया था। इसके अलावा ससुर सुनील अग्रवाल एवं सास रेखा अग्रवाल को धारा 323 के तहत 10-10 माह के साधारण कारावास व 1 हजार रुपए का अर्थदण्ड तथा ननद नेहा अग्रवाल को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 323 के अंतर्गत 6 माह के कारावास एवं 1 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के निर्णय के खिलाफ ससुराली पक्ष के आरोपियों ने उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर में अपील दायर की थी, जहां सजा की अवधि में कमी कर दी गई। इसके बाद पीड़िता ने अपने अधिवक्ता नीरज चौबे के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका प्रस्तुत की। नीरज चौबे ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने मामले को सुनवाई योग्य मानते हुए नोटिस जारी किया।

पंजाब बार में मारपीट, युवकों पर हमला

भिलाई। शराब पीने गए युवकों को अज्ञात लोगों ने बियर की बोतल और धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि ज्ञानेश उर्फ आकाश साहू प्रायवेट काम करता है। 18 मई की रात पंजाब बार वैशालीनगर के भीतर बडे भाई आशीष साहू,पप्पू साहू के साथ शराब पीने गये थे। इस दौरान बडा भाई आशीष साहू कुछ समय के लिये पंजाब बार के बाहर गया। जब लौट के भीतर की ओर भागते हुये आया। तब उसके पीछे 3-4 अज्ञात युवक उसे मारते हुए भीतर की ओर आ गए। जिसे बीच बचाव करने पर अज्ञात युवकों ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। अज्ञात युवकों ने बियर के कांच की बोतल एवं धारदार हथियार से मारपीट कर पीड़ित पर हमला कर दिया। घटना में आकाश को सिर ,हाथ, बाये पैर, सीना, पीठ और आशीष साहू को बीयर की कांच की बोतल से गले के नीचे, पीठ में हमला कर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना शिकायत पुलिस से किया गया। पुलिस आसपास में लगे सीसी कैमरों को खंगाल रही है।

भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत दुर्ग जिला भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग राजनांदगांव सोमनी के पास स्थित सचिता लॉन में सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण वर्ग की विधिवत शुरुआत भारतीय जनता पार्टी के ध्वज फहराकर किया गया तत्पश्चात प्रदर्शनी का उद्घाटन उपस्थित अतिथियों के द्वारा फीता खोलकर भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुरू किया गया। सर्वप्रथम उद्घाटन सत्र में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दुर्ग जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन , छत्तीसगढ़ राज्य खाद आयोग के अध्यक्ष एवं प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता संदीप शर्मा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा उपस्थित रहे।प्रथम दिवस पर छः सत्रों का आयोजित किया गया। प्रथम सत्र के वक्ता संदीप शर्मा रहे, जिन्होंने देश के समक्ष चुनौतियां राजनीतिक एवं सामाजिक के विषय पर अपना प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दुर्ग जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन ने कार्यकर्ता विकास गुण आचरण और दायित्व बोध अपना संबोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रमशिला साहू, मुख्य वक्ता रूप कुमारी चौधरी सांसद महासमुंद, ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, रंजना साहू, चैनसुख भट्टड, जगन्नाथ पाणिग्रह सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे।

सेवा सदन में स्वेच्छानुदान सहायता राशि वितरण, 250 को मिली सहायता

दुर्ग। सेवा सदन में मंगलवार को दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के समाज सेवकों को छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से स्वेच्छानुदान मद के अंतर्गत सहायता राशि वितरित की गई। कार्यक्रम में 250 से अधिक नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार आम नागरिकों की मदद के लिए सदैव तत्पर है। प्रदेश में सुशासन की सरकार संवेदनशीलता एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य निरंतर कर रही है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं स्वेच्छानुदान सहायता के माध्यम से आम नागरिक एवं परिवारों को कठिन परिस्थितियों में राहत एवं संबल प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में दुर्ग के सामाजिक संस्था, स्व. सहायता समूह और जनसेवा में जुटे नागरिकों को सहायता राशि प्रदान की गई। गजेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। आम नागरिकों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार जनहित एवं लोककल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। सहायता राशि प्राप्त करने वाले नागरिकों ने शासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकगण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक देवेंद्र यादव ने सुनीं जनसमस्याएं अधिकारियों से समाधान के लिए की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- मूलभूत समस्याओं से विधायक को कराया अवगत

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने बिजली, पानी, सफाई, सड़क सहित अन्य मूलभूत समस्याओं से विधायक को अवगत कराया।

खुर्सीपार क्षेत्र से पहुंचे नागरिकों ने विधायक को बताया कि बस्ती के बीच से हाईटेंशन बिजली तार गुजर रहा है, जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बाद भी अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। विधायक देवेंद्र यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

वहीं जुनवानी-खम्हरिया क्षेत्र के नागरिकों ने कैनल रोड निर्माण कार्य से प्रभावित हो रहे मकान और दुकानों के मुआवजे का मुद्दा उठाया। लोगों ने बताया कि पेट्रोल पंप से लेकर आईआईटी तक कैनल रोड का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी जद में कई मकान और दुकानें आ रही हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों को मुआवजा देने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। नागरिकों ने यह भी कहा कि बिना नोटिस दिए ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था और उस समय भी उन्होंने शिकायत की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मनरेगा मजदूरी भुगतान में तेजी, 23.39 करोड़ राशि श्रमिकों के खातों में जमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- श्रमिकों से नियमित संपर्क बनाए रखने कहा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत दुर्ग जिले में श्रमिकों की लंबित मजदूरी भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 23 करोड़ 39 लाख 17 हजार रुपये की मजदूरी राशि एसएनए-स्पर्श प्रणाली के माध्यम से सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। वर्तमान में बड़ी संख्या में श्रमिकों के खातों में राशि सफलतापूर्वक जमा हो चुकी है तथा शेष भुगतान प्रक्रिया लगातार जारी है।उन्होंने बताया कि शासन स्तर से प्राप्त राशि का प्राथमिकता के आधार पर विभिन्न जनपद पंचायतों एवं क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से भुगतान किया जा चुका है। इसके अंतर्गत जनपद पंचायत दुर्ग में 8 करोड़ 64 लाख 68 हजार रुपये, जनपद पंचायत धमधा में 6 करोड़ 34 लाख 53 हजार रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन में 6 करोड़ 25 लाख 67 हजार रुपये की राशि संबंधित श्रमिकों के खातों में जमा की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से 2 करोड़ 14 लाख 29 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भी भुगतान किया जा चुका है।सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि मनरेगा श्रमिकों को समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने जिले के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, कार्यक्रम अधिकारियों, तकनीकी अमले एवं जनपद पंचायत स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मजदूरी भुगतान से जुड़ी खातों

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सरकार से लगाई गुहार

आधा मई गुजरा, नहीं मिला एनएचएम कर्मियों को वेतन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- अप्रैल का वेतन जल्द जारी करने की गुहार

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने एनएचएम कर्मचारियों के लंबित वेतन भुगतान को लेकर नाराजगी जताई है। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य संचालक और मिशन संचालक स्वास्थ्य सेवाओं से अप्रैल माह का वेतन जल्द जारी करने गुहार लगाई है।

उन्होंने कहा कि मई माह आधा बीत चुका है, लेकिन अब तक कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सैय्यद असलम ने कहा कि प्रदेश के नियमित अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रयासों से हर महीने 1 से 5 तारीख के बीच वेतन मिल जाता है। उसी तरह एनएचएम कर्मचारियों को भी समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वेतन में देरी के कारण कई कर्मचारी घर का किराया, बच्चों की स्कूल फीस और इलाज जैसे जरूरी खर्च पूरे नहीं कर पा रहे हैं। संघ ने मांग की है कि बजट का समय पर आकलन कर नियमित वेतन भुगतान की स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि कर्मचारियों को हर महीने परेशानियों का सामना न करना पड़े।

वेटनरी कॉलेज के प्राध्यापकों को तीन माह से नहीं मिली सैलरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

कामधेनु विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों और प्राध्यापकों को पिछले करीब 3 माह से सैलरी नहीं मिली है। इसे लेकर लगातार शिकायत की जा रही है, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है। जानकारी के मुताबिक करीब 300 कर्मचारियों की सैलरी जारी नहीं हो पाई है। शासन से फंड रुकने की वजह से यह समस्या सामने आई है। इधर विभागीय प्रमुख पदों पर बैठे अधिकारियों को लेकर अन्य कर्मचारियों ने नाराजगी व्यक्त की है। उनके मुताबिक शासन ने फिजूलखर्ची पर कटौती लगाने के निर्देश जारी किया है। अनावश्यक खर्च को रोका जा रहा है, लेकिन कामधेनु यूनिवर्सिटी के अधिकांश कॉलेज और विभागों में शासन का यह आदेश बेअसर है। नियमित रूप से विभागीय प्रमुख, कॉलेज के प्रमुख पदों पर बैठे अधिकारी सरकारी गाड़ी से ही ऑफिस आवाजाही कर रहे हैं। इसे लेकर शासन स्तर पर शिकायत भी की गई है। वहीं कुलपति के शासन स्तर पर वस्तु स्थिति से अवगत नहीं कराने की वजह से वेतन का मामला अटका हुआ है।

साजा में सुशासन तिहार शिविर आयोजित, 300 से अधिक आवेदन मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ साजा

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल "सुशासन तिहार 2026" के अंतर्गत नगर पंचायत साजा के वार्ड क्रमांक 13 स्थित नगर भवन में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, बिजली संबंधी योजनाएं, महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाएं, नल-जल योजना, पेंशन योजनाएं, राशन कार्ड, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं और मांगों के आवेदन लिए गए। कार्यक्रम में विधायक ईश्वर साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, नगर पंचायत अध्यक्ष हिमांशु वर्मा, सभापति कमलनारायण सिंह राजपूत, आशीष वर्मा, दुर्गा गोयल, गोपाल वर्मा सहित पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसके अलावा मंडल अध्यक्ष बुलाक साहू, नारद वर्मा, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मूलचंद शर्मा, विधायक प्रतिनिधि नारद देवांगन, नेतराम साहू, कमलकिशोर राठी, सोसायटी अध्यक्ष त्रिलोकी साहू, बेलतरा सरपंच चन्द्रभान ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही उपस्थिति

योजनाओं का लाभ लेने लोगों को किया प्रेरित

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने एवं अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। वहीं समाज कल्याण विभाग की ओर से लोगों को नशा मुक्ति की

विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए

शिविर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, श्रम विभाग, आबकारी विभाग, आयुष विभाग, पशुधन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, खाद्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, आधार सेवा केंद्र, विद्युत विभाग, राजस्व विभाग एवं नगर पंचायत साजा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

वृद्ध दंपत्ति के खाते से केयर टेकर ने रकम निकाली, गिरफ्तार

भिलाई। वृद्ध दंपत्ति के खाते से महिला केयर टेकर ने 40 हजार 85 रुपए निकालने वाली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नेवई पुलिस ने बताया कि 17 मई को पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत किया कि उनके वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिए महिला को केयर टेकर रिसाली सेक्टर निवासी स्मिता बरगटे को रखा गया था। महिला घर और बैंक से जुड़ी कई जरूरी जानकारियां भी दी गई थीं। जिससे वह वृद्ध दंपती की मदद कर सके। इसी भरोसे का फायदा उठाकर महिला ने बैंक खाते से रकम निकाल ली। परिवार को जब खाते से पैसे निकलने की जानकारी मिली तो उन्होंने बैंक ट्रांजेक्शन की जांच कराई। जांच में पता चला कि खाते से 40 हजार 85 रुपए निकाले गए हैं। नेवई पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। तकनीकी और दस्तावेजी जांच की गई। बैंक ट्रांजेक्शन और अन्य रिकॉर्ड खंगाले। जांच के दौरान आरोपी महिला का पता लगाकर उससे पूछताछ की गई। महिला ने बैंक खाते से रकम निकालने की बात स्वीकार कर ली। स्मिता बरगटे को को गिरफ्तार कर उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया।

वाहन टक्कर के बाद विवाद, तीन युवक समेत नाबालिग गिरफ्तार

भिलाई। वाहन टक्कर को लेकर विवाद करने वाले युवकों के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज कर चार को गिरफ्तार किया है। पदमनाभपुर पुलिस ने बताया कि विशाल मेगा मार्ट पदमनाभपुर के सामने आपस में वाहनों में टक्कर हो गया। टक्कर में विवाद हुआ और मारपीट हो गया। विशाल मेगा मार्ट के सामने आरोपी बोरसी दुर्ग निवासी लोकेश्वर साहू लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पीड़ित के बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों वाहन चालक सड़क पर गिर गए। घटना के बाद आरोपी लोकेश्वर साहू, कसारीडीह वार्ड 44 अंकित परगनिहा, बोरसी सुभाष चौक ओमप्रकाश उर्फ बप्पी देवांगन और अपचारी बालक एक राय होकर पीड़ित के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। डंडा, पत्थर से हमला कर मारपीट कर दिया। घटना में पीड़ित के सिर, आंख, कंधे में चोटें आई हैं। बीच-बचाव करने पहुंचे अन्य को भी आरोपी युवकों ने जमकर पिटा है। घटना में बीच-बचाव कर रहे शकील खान निवासी केलाबाड़ी के सिर में गंभीर चोट आई है।

संयुक्त यूनियन ने इस्पात सचिव व सेल चेयरमेन को सौंपा ज्ञापन

बीएसपी में ठेका श्रमिकों की 40% कटौती से बढ़ेगी बेकारी और औद्योगिक अशांति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत श्रमिकों की 40% कटौती संबंधी निर्देश को तत्काल वापस लेने के लिए संयुक्त ट्रेड यूनियन भिलाई द्वारा इस्पात सचिव, इस्पात मंत्रालय दिल्ली के नाम औद्योगिक संबंध विभाग भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा ज्ञापन सौंपा गया । सेल के मुख्य प्रबंध निदेशक और बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज को भेजी प्रतिलिपि में मांगों पूर्ण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस दौरान संयुक्त ट्रेड यूनियनों में एटक, एक्टू, सीटू और लोइमू के पदाधिकारी शामिल हुए।

यूनियन नेताओं ने बताया कि बीएसपी में अत्यंत जटिल एवं जोखिमपूर्ण औद्योगिक इकाई है, जहाँ भारी मशीनरी, उच्च तापमान, अत्यधिक धूल तथा विषैले धुएँ जैसी कठिन परिस्थितियों में कार्य किया जाता है। ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप, आईएमएफ, बैटरी, सिंटर प्लांट आदि विभागों में होने वाले अधिकांश कठिन एवं जोखिमपूर्ण कार्य श्रमिकों द्वारा संपादित किए जाते हैं। अधिकांश कार्य अभी भी मैनुअल प्रकृति के हैं। वर्तमान में स्थायी कर्मचारियों की संख्या निरंतर घट रही है तथा औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आवश्यक मानव संसाधन के अध्ययन के बावजूद नई नियुक्तियाँ नहीं की जा रही हैं। ऐसी स्थिति में उत्पादन एवं उत्पादकता बनाए रखने की मुख्य जिम्मेदारी श्रमिकों पर ही आ गई है।

वर्कशॉप और तकनीकी कार्यों में श्रमिकों की है जरूरत

तीनों शिफ्टों तथा सामान्य शिफ्ट में विद्युत पैनल, विद्युत सर्किट, भूमिगत कार्य, वर्कशॉप रखरखाव तथा अन्य तकनीकी कार्यों में पर्याप्त मानव संसाधन की आवश्यकता होती है। सुरक्षा मानकों के पालन के लिए प्रत्येक कार्यस्थल पर कम-से-कम दो या अधिक अनुभवी श्रमिकों की आवश्यकता अनिवार्य होती है। विशेष रूप से विद्युत कार्यों, लोकोमोटिव संचालन, यार्ड संचालन, भूमिगत कार्यों तथा भारी सामग्री खींचने जैसे कार्यों में एक व्यक्ति द्वारा कार्य संपादित करना संभव नहीं है। इसलिए प्रत्येक स्थान पर कार्य की आवश्यकता के अनुसार न्यूनतम मानव संसाधन की तैनाती की जाती है, जिसे लाइन मैनेजर एवं शॉप स्तर के अधिकारी भी आवश्यक मानते हैं। वर्तमान में कार्य पहले से ही अत्यधिक तनावपूर्ण परिस्थितियों में किया जा रहा है। मशीनरी, पैनल नियंत्रण तथा अन्य तकनीकी गतिविधियों का संचालन एवं रखरखाव पर्याप्त मानव संसाधन के बिना संभव नहीं है। श्रमिकों की संख्या में 40% कटौती करना एसओपी एवं एसएमपी के तहत निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा व्यवस्था के पूर्णतः विपरीत है।

यह हैं प्रमुख मांगें

बीएसपी मेंलागत कम करने के नाम पर 40% श्रमिकों की कटौती न करें। कटौती से श्रमिकों को असुरक्षित परिस्थितियों में कार्य करने के लिए विवश करेगा, जो श्रम कानूनों, सुरक्षा नियमों एवं निष्पक्ष श्रम प्रथाओं के विरुद्ध है। सभी श्रमिक स्थायी एवं चिरस्थायी प्रकृति के कार्यों में संलग्न हैं। सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों की भावना के भी विपरीत होगा।उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य मशीनों एवं भट्टियों की क्षमता वृद्धि, उचित रखरखाव, सुरक्षित कार्य परिस्थितियों तथा गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल एवं तैयार लौह अयस्क की उपलब्धता सुनिश्चित करें । लागत एवं व्यय नियंत्रण के अनेक अन्य उपाय संभव हैं। श्रमिकों की संख्या में 40% कटौती करने से दुर्घटनाओं, असंतोष, मानसिक तनाव एवं शारीरिक दबाव में वृद्धि होगी व सामाजिक असंतोष उत्पन्न होगा। यूनियन नेताओं ने कटौती आदेश को न निरस्त करने की मांग की।

सुशासन तिहार में लोगों ने जमा किए अनेक शिकायतों के आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत वैशाली नगर में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने हेतु 19 मई 2026, मंगलवार को वैशाली नगर स्थित हाऊसिंग बोर्ड सूर्यकुण्ड सामुदायिक भवन में जन समस्या निवारण हेतु सुशासन शिविर का आयोजन किया गया है।

■ हाऊसिंग बोर्ड सूर्यकुण्ड सामुदायिक भवन में आयोजित

इस शिविर में वार्ड क्रमांक 21 कैलाश नगर, 22 कुरुद बस्ती, 23 घासीदास नगर, 24 हाऊसिंग बोर्ड एवं 25 जवाहर नगर हाऊसिंग बोर्ड के नागरिक शामिल होकर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का निराकरण तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने आवेदन भी जमा किये हैं । शिविर में राष्ट्रीय आयुष मिशन, मेडिकल स्वास्थ्य विभाग, एम.एम.यू. चलित स्वास्थ्य शिविर, महिला एवं बाल विकास विभाग, उज्ज्वला योजना, पशुधन विभाग, राशन कार्ड, पेयजल एवं जल कार्य, लोक कर्म विभाग, नामांतरण एवं लीज डीड फ्री-होल्ड, राष्ट्रीय पेंशन योजना, जन स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, समाज कल्याण विभाग, आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग, श्रम विभाग, ई-श्रमिक कार्ड, वन विभाग, पुलिस सहायता केन्द्र तथा जन मित्र योजना सहित विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए। शिविर में नागरिकों को स्वास्थ्य जांच, दस्तावेज संबंधी मार्गदर्शन, योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्रदान की गई। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ लेने एवं अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई थी।

करोड़ों की माया दो कौड़ी की हो जाती है जब छोड़ना पड़ता है संसार : संतोष शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नवागढ़

जिस दिन इंसान इस संसार को छोड़कर जाता है, उसी दिन करोड़ों की जागीर भी दो कौड़ी की रह जाती है। यह मार्मिक बात श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथा व्यास पंडित संतोष शर्मा "गाड़ा मोर वाले" ने कही। नवागढ़ झाल रोड स्थित नीमा सिंह एवं सुरेन्द्र सिंह की मेजबानी में आयोजित भागवत कथा के चौथे दिन भरत चरित्र का भावपूर्ण वर्णन सुन श्रद्धालु भावुक हो उठे। कथा व्यास पंडित शर्मा ने कहा कि भरत केवल एक पात्र नहीं बल्कि भरोसे और त्याग के प्रतीक हैं। जो भगवान पर भरोसा करते हैं, उन्हें ही प्रभु की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि भरत को राजगद्दी दिलाने का प्रयास करने वाली माता कैकेयी का भी भरत ने त्याग कर दिया था। राम कथा हमें त्याग, समर्पण और मर्यादा का संदेश देती है। उन्होंने रावण प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी साम्राज्य को खत्म करने के लिए गलत सलाहकार ही काफी होते हैं। "हनुमान जी लंका जलाने नहीं गए थे, बल्कि रावण के अहंकार और उसके लोगों की गलत सोच ने लंका को जलवा दिया," इस कथन पर पंडाल तालियों से गूंज उठा।

■ भरत चरित्र सुन भावुक हुए श्रद्धालु, कथा में अहंकार त्याग और भक्ति का संदेश

वाराणसी जाकर देख लो, अंत समय में सबका मोल लग जाता है: कथा के दौरान पंडित शर्मा ने जीवन की नश्वरता पर गहरी बात कहते हुए कहा कि मनुष्य को कभी धन, रूप और ज्ञान का अहंकार नहीं करना चाहिए। करोड़ों की संपत्ति, महंगे वाहन और आलीशान कारखाने भी मृत्यु के बाद किसी काम नहीं आते।

उन्होंने कहा, "वाराणसी जाकर देख लो, अंत समय में लकड़ी, कफन और दान-दक्षिणा तक का मोल लग जाता है। जिस हीरे-जवाहरात और अंगूठियों पर इंसान को घमंड होता है, मृत्यु के बाद उसे उतार दिया जाता है और केवल तुलसी की माला पहनाकर विदा किया जाता है। यही जीव का असली श्रृंगार है। 17 मई से प्रारंभ हुई यह श्रीमद्भागवत कथा 24 मई तक चलेगी। प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं।

मदकू द्वीप में भी धर्ममय माहौल

वहीं पुरुषोत्तम मास के अवसर पर हरिहर क्षेत्र केदार मदकू द्वीप में संत रामरूप दास महात्यागी की मेजबानी में 17 मई से 15 जून तक श्रीमद्भागवत कथा एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। यहां भी दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ ले रहे हैं।

बीएसपी में फिर हुई प्रबंधकीय सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रबंधकीय सर्जरी का सिलसिला जारी है। मंगलवार को फिर टाउनशिप में बड़ा फेरबदल किया गया। तीन कर्मचारियों को विभिन्न विभागों में स्थानांतरित किया गया है। कई कर्मचारी पंद्रह बीस साल से एक ही विभाग में जमे हुए थे। बीएसपी में काम काज में कसावट लाने के लिए कर्मियों और अधिकारियों को इधर उधर किया जा रहा है। इसके पूर्व नौ मई को प्लांट व टाउनशिप के विभिन्न विभागों में 45 अधिकारियों के तबादले किए गए थे। इसके बाद आज मंगलवार को 30 कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया। ईडी एचआर के आदेश के तहत जारी सर्कुलर में कई अहम विभागों में तबादले हुए हैं। स्थानांतरित तीस कर्मियों में पर्सनल, मेडिकल, नगर सेवाएं, क्रीड़ा एवंस सांस्कृतिक व सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग आदि महकमे शामिल हैं। कुछ विभागों में स्थानांतरित कर्मचारी पंद्रह बीस साल से एक ही विभाग में जमे हुए थे। सूत्रो के मुताबिक अब तक एक्जीक्यूटिव व नान एक्जीक्यूटिव तबादलों स्टील सेक्रेटरी के निर्देश पर बताए जा रहे हैं। प्रबंधकीय कसावट के साथ मेनपावर पर अंकुश लगाना बताया जा रहा है।

स्मृति नगर रोड जगदंबा डेयरी के पास जाम से लोग परेशान, शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

स्मृति नगर रोड जगदंबा डेरी के पास में इन दिनों जाम की स्थिति बनी रहने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाम के व्यस्त समय में सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और स्थानीय व्यापारियों को काफी दिक्कत होती है। मंगलवार को एक एंबुलेंस फंसी थी। जिसका वीडियो शारदा गुप्ता के पास उपलब्ध है। एंबुलेंस वापस टर्न होकर दूसरे रास्ते से गई। आज की स्थिति में एक हाईवा ट्रक सामने चल रही थी और हाईवे को पर्याप्त जगह न मिलने के कारण और लंबी जाम लग गई।

जनहित संघर्ष समिति के संयोजक शारदा गुप्ता का कहना है कि सड़क किनारे अगर कोई बड़े वाहन आ जाए और टर्न लेने में दिक्कत हो रही हो तो पूरी सड़क जाम हो जाती है। ऐसा कई बार देखा गया है आमजन मानस परेशान रहता है। इस सड़क का चौड़ीकरण किया जाना आवश्यक है क्योंकि शैक्षणिक संस्थान चौपाटी होने के कारण इस सड़क पर बहुत ज्यादा दबाव रहता है जाम लगता है। पुलिस प्रशासन भी घटनास्थल तक पहुंचने में समय लगता है। जाम की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। झरोखा मैरिज प्लेस के पास भी शादी होने पर लोग घंटे फंसे रहते हैं वहां पर भी वैकल्पिक व्यवस्था किये जाने की आवश्यकता है। जनहित संघर्ष समिति ने मांग की है कि इस रोड पर 112 की गाड़ियां नियमित रूप से ग्रस्त करें। अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार सड़क चौड़ीकरण और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन की व्यवस्था भी की जाए।

मांग करने वाले में प्रमुख रूप से विनोद उपाध्याय, निशु पांडे, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, कन्हैया सोनी, बृजमोहन उपाध्याय, बंटी नाहर, अखिलेश वर्मा आदि शामिल थे।

पेज 11 के शेष

पुलिस को मिले ...

लाइव लोकेशन ट्रैकिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे किसी भी आपात स्थिति में घटनास्थल तक शीघ्र पहुंच सुनिश्चित की जा सकेगी।

पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए ये 11 नए ईआरवी वाहन थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा, बेरला, साजा, परपोडी, खम्हरिया, नवागढ़, नांदघाट, दाढ़ी एवं चंदनू थाना क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे। ये वाहन 24 घंटे ऑन रोड रहेंगे और सड़क दुर्घटना, महिला संबंधी अपराध, मारपीट, विवाद, आपराधिक घटनाओं तथा अन्य आपात परिस्थितियों में तत्काल सहायता उपलब्ध कराएंगे। इससे जिले की पुलिसिंग व्यवस्था और अधिक प्रभावी होने के साथ-साथ रिस्पॉन्स टाइम में भी उल्लेखनीय सुधार आने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि राज्य शासन नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस व्यवस्था को लगातार आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित कर रहा है। उन्होंने कहा कि डायल-112 सेवा का विस्तार होने से आम नागरिकों को संकट की घड़ी में त्वरित सहायता मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पुलिस की पहुंच और मजबूत होगी। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि डायल-112 के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक आपातकालीन कॉल पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने रिस्पॉन्स टाइम को कम करने, घटनास्थल पर शीघ्र पहुंचने तथा ड्यूटी के दौरान संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि आधुनिक तकनीकों से लैस डायल-112 सेवा जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन के बेहतर समन्वय से जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी तथा आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत होगा।

तेज हवा में गिरा ...

ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी, जिसके बाद विद्युत आपूर्ति बंद कराई गई। इससे आग और अधिक फैलने से रोकने में मदद मिली। ग्रामीणों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सूखे पैरावट में लगी आग काफी देर तक धधकती रही। आखिरकार पूरा पैरावट जलने के बाद ही आग शांत हो सकी। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग से ग्रामीणों को नुकसान उठाना पड़ा है।

घटना के बाद गांव में देर रात तक दहशत का माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने बताया कि यदि बिजली समय पर बंद नहीं होती और लोग सतर्कता नहीं दिखाते, तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं घटना के बाद बिजली विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त तारों की मरम्मत कर आपूर्ति बहाल करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

पुलिस कॉलोनी की ...

आवागमन पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है। वर्तमान में सड़क पर आवाजाही भी शुरू हो चुकी है। गौरतलब है कि इस सड़क के अभाव में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को लंबे समय से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के दिनों में पूरा रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता था, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता था। दोपहिया वाहन फिसलने की घटनाएं आम थीं और बच्चों, महिलाओं तथा बुजुर्गों को विशेष दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। स्थिति इतनी खराब थी कि कॉलोनी निर्माण के कई वर्षों बाद तक किसी भी जिम्मेदार विभाग ने यहां पक्की सड़क निर्माण की दिशा में गंभीर पहल नहीं की।

कवर्धा के एक मकान से संदिग्ध अवस्था में मिलीं 3 युवतियां व युवक

कवर्धा। अंबिकापुर की एक गुमशुदा युवती की तलाश के दौरान कवर्धा शहर के घोटिया बाईपास स्थित एक मकान में पुलिस द्वारा की गई दबिश के बाद कई संदिग्ध तथ्य सामने आए हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस को मकान में तीन युवतियां और एक युवक संदिग्ध अवस्था में मिले, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद शहर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और लोगों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि कहीं जिला मुख्यालय में संगठित रूप से जिस्मफरोशी का धंधा तो संचालित नहीं हो रहा। जानकारी के अनुसार अंबिकापुर में दर्ज एक गुमशुदगी मामले की जांच के सिलसिले में कुछ लोग कवर्धा पहुंचे थे।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

महंगाई और खाद-बीज संकट पर महेंद्र विरदी ने जताई चिंता

साजा। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व विशेष आमंत्रित सदस्य राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांतीय सलाहकार महेंन्द्र विरदी प्रांतीय ने पेट्रोल, डीजल, की बेतहाशा महंगाई और किसनों को खाद-बीज न मिलने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढं कृषि है और किसान खुशहाल रहेगा तभी राष्ट्र खुशहाल रहेगा। कहा कि आज किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक डीजल महंगा होने से जुताई, बुवाई की लागत आसमान छू रही है,। किसान खाद के लिए लाइन में लगा है और यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विरदी ने केंद्र सरकार से मांग की है किसानों को तत्काल रियायती दर पर डीजल, पर्याप्त मात्रा में खाद, और बीज उपलब्ध कराया जाए।

सामान्य प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

कवर्धा। । कबीरधाम जिले में नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन के तहत नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष पद तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के रिक्त पंच एवं सरपंच पदों के उप निर्वाचन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक लक्ष्मण सिंह (आईएफएस 2010), उप वन संरक्षक (रोकड़), प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख कार्यालय, छत्तीसगढ़ अरण्य भवन, नवा रायपुर अटल नगर तथा अतिरिक्त प्रभार संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैम्पा), अरण्य भवन, नवा रायपुर का आज जिले में आगमन हुआ। यहां उनकी उपस्थिति में नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष पद के लिए प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा की गई। जिसके पश्चात वे सहसपुर लोहारा के मतदान केन्द्रों के निरीक्षण में पहुंचे। यहां उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश रिटर्निंग ऑफिसर को दिए।

चना खरीदी में अव्यवस्था किसानों में भारी नाराजगी

कवर्धा। जिले में पीएम आशा योजना अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर चना खरीदी को लेकर एक बार फिर अव्यवस्था सामने आई है। शासन-प्रशासन द्वारा लगातार किए जा रहे दावों के बावजूद जिले में चना खरीदी सुचारू रूप से प्रारंभ नहीं हो पाई है, जिससे किसानों में भारी नाराजगी और असंतोष व्याप्त है। किसान अपनी मेहनत की फसल लेकर खरीदी केंद्रों और मंडियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन समय पर खरीदी नहीं होने से उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में निर्वाचित अध्यक्ष युवा कांग्रेस विधानसभा कवर्धा एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि क्षेत्र क्रमांक 03 कवर्धा वाल्मिकी वर्मा ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिला मुख्यालय से लगे तालपुर कृषि उपज मंडी में पीएम आशा योजना के तहत किसानों से चना खरीदी के लिए लगभग 25 दिन पहले किसानों की फसल मंगवाई गई थी, लेकिन अब तक खरीदी की प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से शुरू नहीं की गई है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2025 में चमकेगा आनंदगांव, सरपंच चंदन नायक करेंगे छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

छत्तीसगढ़ की पंचायत व्यवस्था के लिए गौरवपूर्ण क्षण सामने आया है। केंद्र सरकार के पंचायत राज मंत्रालय द्वारा आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित "नेशनल पंचायत अवॉर्ड-2025" समारोह में बेमेतरा जिले के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत आनंदगांव के सरपंच चंदन नायक का चयन किया गया है। यह राष्ट्रीय सम्मान समारोह आगामी 03 जून 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित होगा, जहां देशभर की उत्कृष्ट पंचायतों एवं जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। पंचायत संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश के अनुसार चयनित प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को कार्यक्रम में शामिल होने हेतु राज्य सीमा से बाहर प्रवास और यात्रा की अनुमति प्रदान की गई है। सूची में आनंदगांव के सरपंच चंदन नायक का नाम शामिल होने से पूरे क्षेत्र में उत्साह और खुशी का माहौल है। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने इसे पूरे बेमेतरा जिले के लिए गौरव की उपलब्धि बताया है। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत आनंदगांव में स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, जन भागीदारी और पंचायत स्तर पर पारदर्शी कार्यप्रणाली को लेकर किए गए उल्लेखनीय कार्यों के कारण सरपंच चंदन नायक को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व का अवसर मिला है। पंचायत में शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने और ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के प्रयासों की सराहना की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि चंदन नायक के नेतृत्व में गांव में विकास कार्यों को गति मिली है। सड़क, पानी, स्वच्छता और सामुदायिक सुविधाओं में सुधार के साथ पंचायत में जनसहभागिता का वातावरण मजबूत हुआ है। अब राष्ट्रीय मंच पर आनंदगांव की पहचान बनने जा रही है, जिससे पूरे जिले का मान बढ़ा है।

भारत मंडपम नई दिल्ली में 3 जून को होगा राष्ट्रीय सम्मान समारोह, जिले में खुशी

गांव से दिल्ली तक पहुंचेगी आनंदगांव की पहचान

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार समारोह में देशभर की उत्कृष्ट पंचायतों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी रहेगी। ऐसे में आनंदगांव के सरपंच की सहभागिता को छत्तीसगढ़ की पंचायत व्यवस्था के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह उपलब्धि आने वाली पंचायतों और जनप्रतिनिधियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। ग्रामीणों ने कहा कि गांव के विकास को प्राथमिकता देकर सरपंच चंदन नायक ने पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी सक्रियता और योजनाबद्ध कार्यशैली के कारण पंचायत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है।

यह सम्मान पूरे गांव की सामूहिक मेहनत का परिणाम: चंदन

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए चयनित होने पर सरपंच चंदन नायक ने खुशी जताते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे ग्राम पंचायत आनंद गांव, पंचायत प्रतिनिधियों, पंचायत सचिव और ग्राम वासियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का सही क्रियान्वयन, गांव में स्वच्छता व्यवस्था पेयजल सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास और ग्रामीणों के सहयोग से पंचायत निरंतर आगे बढ़ी है। सरपंच ने कहा कि यह उपलब्धि भविष्य में और अधिक बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देती है तथा गांव के समग्र विकास के लिए वे आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

खाद-बीज वितरण, पेयजल व्यवस्था और निर्माण कार्यों की हुई गहन समीक्षा

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर सख्त, जनहित मामलों में लापरवाही पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिला कार्यालय स्थित दिशा भवन सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, जनहित योजनाओं एवं शासन की प्राथमिकताओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर

प्रतिष्ठा ममगाईं ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने शासकीय कार्यालयों में आने वाले नागरिकों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाने और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं अन्य लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि केवल औपचारिकता निभाकर फाइलों का निपटारा न किया जाए, बल्कि वास्तविक और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। अधिकारियों को सभी आवेदनों का निर्धारित पंजी में विधिवत संधारण कर प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए।

पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर

भीषण गर्मी को देखते हुए नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जहां पानी की समस्या हो वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही पाइपलाइन लीकेज और खराब हैंडपंपों की मरम्मत में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। निर्माण कार्यों और स्कूल जतन योजना की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीएम स्कूल जतन योजना अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। बैठक में प्रेमलता पदमाकर, प्रकाश भारद्वाज, गुड्डू लाल जगत

ईंधन संकट को लेकर अफवाहों से बचने की अपील: बैठक में जिले में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग आवश्यकता से अधिक ईंधन भरवा रहे हैं तथा जरीकेन, बोतल और अन्य खुले पात्रों में पेट्रोल-डीजल संग्रहित करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए खुले पात्रों में ईंधन देने पर प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आवश्यकता अनुसार ही पेट्रोल-डीजल खरीदें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

खाद-बीज वितरण पर सतत निगरानी के निर्देश

आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए कलेक्टर ने किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग करने तथा अवैध भंडारण, जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा गया।

बिजली समस्या से कब मिलेगी निजात

बार-बार ट्रिपिंग, लो वोल्टेज और लंबी कटौती से बढ़ा लोगों का आक्रोश

थान खमरिया। नगर में बिजली व्यवस्था दिनोंदिन बदहाल होती जा रही है। लगातार बिजली कटौती, बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या से नगरवासी परेशान हैं। भीषण गर्मी के बीच बिजली की आंख-मिचौली ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नगर में स्थिति यह है कि हर आधे घंटे में बिजली बंद और चालू होना आम बात बन गई है। प्रतिदिन 15 से 20 बार बिजली ट्रिप होने से आमजन के साथ व्यापारियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली कटौती के संबंध में विभाग के अधिकारी भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। कभी ट्रांसफार्मर खराब होने, कभी तार की कमी, मेंटेनेंस कार्य या सब स्टेशन में खराबी का हवाला देकर समस्या को टाल दिया जाता है। जबकि वर्तमान में तेज आंधी-बारिश जैसी कोई स्थिति भी नहीं है।

व्यापारियों ने बताया कि समय पर बिजली नहीं मिलने से व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लगातार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो रहे हैं। इनवर्टर भी जवाब देने लगे हैं। गर्मी के मौसम में कूलर और पंखों का सही ढंग से नहीं चल पाना लोगों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है। नगरवासियों का कहना है कि गर्मी बढ़ते ही बिजली का लोड बढ़ गया है, जिसे संभालने में ट्रांसफार्मर और बिजली घरों की मशीनें नाकाम साबित हो रही हैं।

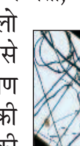

इसके कारण दिनभर लोगों को गर्मी में परेशान होना पड़ रहा है। विद्युत उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि शिकायत करने पर भी व्यवस्था संवेदनहीन बनी हुई है। अधिकारियों द्वारा फोन नहीं उठाने और समस्या का समाधान नहीं करने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का आरोप है कि नगर में बिजली संकट का मुख्य कारण विभागीय लापरवाही और अधिकारियों की उदासीनता है। नगर की बिजली समस्या को लेकर एन.के. गुप्ता, सहायक अभियंता उप संभाग साजा से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि थान खमरिया की विद्युत समस्या से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है तथा शीघ्र ही नगरवासियों को इस समस्या से राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

रेगहा, संस्थागत भूमि एवं शासकीय पट्टाधारी कृषकों के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- शेष 121 कृषकों से शीघ्र एग्रीस्टैक आईडी बनवाने की अपील
- कृषि योजनाओं, अनुदान एवं धान उपार्जन का लाभ लेने में होगी

जिले के ऐसे कृषक जिनकी भूमि रेगहा, संस्थागत भूमि, ट्रस्ट अथवा शासकीय पट्टा श्रेणी में आती है तथा जिन्हें पूर्व में धान उपार्जन के दौरान एग्रीस्टैक पंजीयन से छूट प्रदान की गई थी, उन्हें अब अनिवार्य रूप से एग्रीस्टैक आईडी बनवानी होगी।

शासन के निर्देशानुसार जिले में सभी पात्र कृषकों का एग्रीस्टैक पंजीयन किया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसानों को विभिन्न कृषि योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सरलता एवं पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराया जा सके। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा जिले में अभी भी 121 ऐसे कृषकों की एग्रीस्टैक आईडी बनना शेष है, जिन्हें पूर्व में विशेष परिस्थितियों के कारण पंजीयन में छूट दी गई थी। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा ऐसे सभी कृषकों से शीघ्र पंजीयन कराने की अपील की गई है। प्रशासन ने कहा है कि संबंधित कृषक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर अथवा संबंधित सहकारी समिति में संपर्क कर एग्रीस्टैक आईडी बनवाना सुनिश्चित करें। समय पर पंजीयन नहीं कराने की स्थिति में भविष्य में विभिन्न योजनाओं एवं उपार्जन संबंधी प्रक्रियाओं में असुविधा हो सकती है। प्रशासन द्वारा जिले में शत-प्रतिशत एग्रीस्टैक पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ग्राम स्तर पर किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ सहकारी समितियों एवं सी एस सी केंद्रों के माध्यम से पंजीयन कार्य में तेजी लाई जा रही है। प्रशासन ने सभी शेष कृषकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे समय पर अपना पंजीयन पूर्ण कराएं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक असुविधा से बचा जा सके।

एग्रीस्टैक से किसानों को मिलेंगी अनेक सुविधाएं

एग्रीस्टैक आईडी बनने से किसानों को शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं, अनुदान, फसल पंजीयन, धान उपार्जन एवं अन्य कृषि सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। इसके माध्यम से किसानों की जानकारी डिजिटल रूप से सुरक्षित एवं व्यवस्थित रहेगी, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सकेगा। कृषि विभाग ने बताया कि एग्रीस्टैक प्रणाली किसानों के लिए एक एकीकृत डिजिटल व्यवस्था है, जिसके माध्यम से भविष्य में कृषि सेवाओं को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया जाएगा।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में स्थानीय दवा व्यापारियों का बंद को समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| देवकर

देशव्यापी बंद के समर्थन में स्थानीय दवा व्यापारियों ने ऑनलाइन दवा बिक्री व्यवस्था के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए मरीजों की सुरक्षा और स्थानीय व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता देने की मांग उठाई है। औषधि संघ के अशरफी लाल गुप्ता और सर्वेश द्विवेदी ने कहा कि मेडिकल दुकानों पर मरीजों को दवा देने से पहले जरूरी सावधानियों और उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाती है, जबकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर यह मानवीय परामर्श पूरी तरह गायब रहता है। उन्होंने कहा कि कई ऑनलाइन माध्यमों पर बिना वैध डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन के भी दवाइयां उपलब्ध करा दी जाती हैं, जो दवा नियंत्रण नियमों का सीधा उल्लंघन है। इससे गलत दवा सेवन और गंभीर दुष्प्रभावों का खतरा बढ़ जाता है। व्यापारियों ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में हमेशा स्थानीय मेडिकल संचालक ही लोगों के काम आते हैं। बंद के दौरान भी गंभीर मरीजों और इमरजेंसी जरूरतों के लिए दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने की व्यवस्था की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय व्यापारी केवल व्यापार ही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं।

बिक्री घटने से स्थानीय मेडिकल संचालकों के रोजगार पर खतरा

उन्होंने आरोप लगाया कि ऑनलाइन कंपनियां भारी फंडिंग और बड़े डिस्काउंट के दम पर छोटे एवं मध्यम स्तर के व्यापारियों को आर्थिक संकट में धकेल रही हैं। लगातार बिक्री घटने से स्थानीय मेडिकल संचालकों के रोजगार पर खतरा मंडरा रहा है। दवा व्यापारियों ने नकली और एक्सपायरी दवाओं के बढ़ते खतरे पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर पर्याप्त निगरानी के अभाव में गलत और संदिग्ध दवाओं की बिक्री का जोखिम बढ़ गया है। वहीं स्थानीय दुकानदार से खरीदी गई दवा में कोई समस्या होने पर उपभोक्ता सीधे संपर्क कर समाधान पा सकता है, जबकि ऑनलाइन कंपनियों के कस्टमर केयर और रिफंड प्रक्रिया में आम लोग परेशान होते हैं। व्यापारियों ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि ऑनलाइन दवा बिक्री के लिए कड़े नियम बनाए जाएं तथा बिना प्रिस्क्रिप्शन दवा उपलब्ध कराने वाले प्लेटफॉर्म्स पर सख्त कार्रवाई की जाए।

कचरे का घर से ही होगा पृथकीकरण, गीला-सूखा समेत चार श्रेणियों में देना होगा अपशिष्ट

अब हर घर में रखने होंगे 4 डस्टबिन, बेमेतरा में लागू हुए नए नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को आधुनिक और वैज्ञानिक स्वरूप देने की दिशा में अब नगर पालिका परिषद बेमेतरा ने बड़ा कदम उठाया है। भारत सरकार द्वारा संशोधित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश में प्रभावी रूप से लागू किए जाने के बाद अब बेमेतरा शहर में भी नए नियमों को अमल में लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसी उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बेमेतरा के सभाकक्ष में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों, पार्षदों एवं अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें नागरिकों तक नए प्रावधानों को पहुंचाने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नए नियमों के तहत अब प्रत्येक नागरिक, संस्थान, होटल, दुकान एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान को कचरे का स्त्रोत स्तर पर पृथकीकरण करना अनिवार्य होगा। यानी घर या प्रतिष्ठान से निकलने वाले कचरे को वहीं अलग-अलग श्रेणियों में बांटना होगा और फिर स्वच्छता दीदियों को सौंपना होगा। नगर पालिका प्रशासन का मानना है कि इससे कचरे के वैज्ञानिक निपटान, रिसाइक्लिंग और शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। नगर पालिका प्रशासन के अनुसार अब शहरवासियों को अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में चार अलग-अलग रंगों के डस्टबिन रखने होंगे, जिनमें अलग-अलग प्रकार का कचरा डाला जाएगा। हरा डस्टबिन : गीला अपशिष्ट ,इसमें बचा हुआ भोजन, सब्जियों एवं फलों के छिलके, चाय पत्ती, बगीचे का गीला कचरा और अन्य जैविक पदार्थ रखे जाएंगे। वही नीला डस्टबिन में रद्दी कागज, गत्ता, प्लास्टिक, कपड़ा, चमड़ा, रबर, लोहा और अन्य रिसाइकिल होने योग्य सामग्री इसमें डाली जाएगी। लाल डस्टबिन : सेनेटरी अपशिष्ट

सेनेटरी नैपकिन, डायपर, पैड्स और अन्य स्वच्छता संबंधी कचरे को अलग से लाल डस्टबिन में रखना होगा। बैंगनी डस्टबिन : विशेष देखभाल वाला अपशिष्ट के तौर पर घरेलू खतरनाक कचरा जैसे कांच, रसायन, पेंट, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, बैटरियां, सिरिंज आदि बैंगनी डस्टबिन में डाले जाएंगे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कचरे का पृथकीकरण नहीं करने पर भविष्य में कार्रवाई और जुर्माने जैसी सख्ती भी की जा सकती है।

बल्क वेस्ट जनरेटरों के लिए अलग नियम

बैठक में बताया गया कि अधिक मात्रा में कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थान, होटल, मैरिज गार्डन, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान एवं अन्य परिसरों को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे संस्थानों के लिए केंद्र सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। साथ ही उन्हें अपने परिसर में ही गीले कचरे के निपटान और प्रसंस्करण की व्यवस्था विकसित करनी होगी। नगर पालिका प्रशासन ने यह भी जानकारी दी कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं, जिन पर नागरिक शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

पॉलिथीन पर रोक और स्वच्छता के प्रति जागरूकता पर जोर

बैठक में सिंगल यूज पॉलिथीन को पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक बताते हुए इसके उपयोग को पूरी तरह बंद करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि शहर को गारबेज फ्री सिटी बनाने के लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है। इसके लिए लोगों को खुले में कचरा फेंकने, कचरा जलाने और सार्वजनिक स्थलों को गंदा करने जैसी आदतों से बचना होगा।

पालिका अध्यक्ष ने नागरिकों से किया सहयोग का आह्वान: नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने नागरिकों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि लोग कचरा खुले में न फेंकें, तालाबों और सार्वजनिक स्थलों को गंदा न करें, पॉलिथीन का उपयोग बंद करें तथा खुले में कचरा जलाने और शौच करने जैसी गतिविधियों से बचें। बैठक में नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा सहित सभी पार्षद, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।